हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 36 | देहरादून, मंगलवार, 26 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

आज मंत्री रेखा आर्य की कांवड़ यात्रा, विपक्ष को बताया संकीर्ण मानसिकता से ग्रसित 3

उत्तराखंड में कोविड-19 के लिए जारी किए नए दिशा-निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में कोविड-19 के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए मिशन निदेशक कार्यालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखंड ने कोविड-19 के नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस नए दिशा-निर्देश से सरकार लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रही है। बता दे की इस समय उत्तराखंड राज्य में कोविड-19 का संक्रमण फैल रहा है। संक्रमण वर्तमान

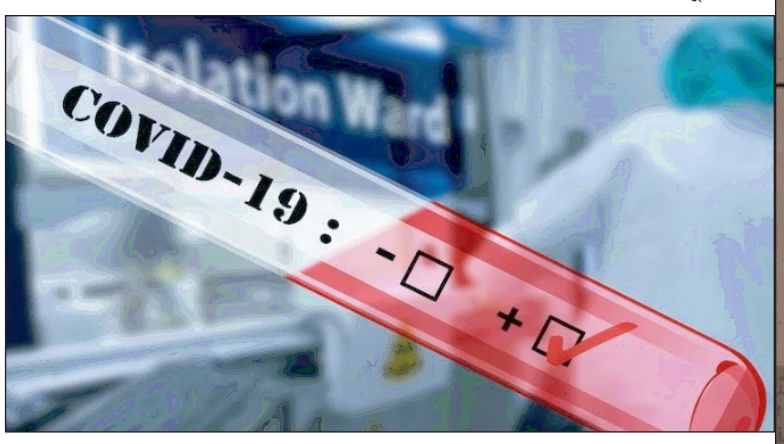

में भी फैल रहा है और पिछले कुछ दिनों में COVID-19 रोगियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए कोविड-19 के संक्रमण को फिर से महामारी का रूप लेने से रोकने के लिए सभी जिलों में समय रहते आवश्यक कार्रवाई करना आवश्यक है। कोविड-19 संक्रमण के संचरण और उचित प्रबंधन को रोकने के लिए परीक्षण, निगरानी, उपचार, टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार की पांच-स्तरीय रणनीति सुनिश्चित की जानी चाहिए। अतः कोविड-19 रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए निम्नलिखित दिशा-निर्देशों का जनपद स्तर पर अनुपालन करना सुनिश्चित करें -

1. आम जनमानस में कोविड-19 से बचाव हेतु कोविड एप्रोप्रियेट व्यवहार जैसे कि सामाजिक दूरी का अनुपालन, मास्क पहनना एवं हाथों को Sanitize करने आदि के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये।

2. भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड -19 टीकाकरण कवरेज को बढ़ाया जाये। पूर्ण कोविड-19 टीकाकरण के लिए आम जनता को नियमित रूप से प्रेरित करने हेतु जागरूकता कीजाये।

3. चिकित्सा इकाइयों में कोविड-19 संक्रमित रोगियों के उपचार हेतु पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेण्डर, आक्सीजन कसंनट्रेटर, आक्सीजन बेड, वेंटिलेटर, आई०सी०यू० बेड एवं आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। सम्बन्धित चिकित्सा इकाईयों में स्थापित ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाये।

4. दैनिक रूप से राजकीय एवं निजी चिकित्सा इकाइयों में कोविड- 19 संक्रमित भर्ती रोगियों की सूचना प्राप्त की जाये एवं रोगियों के स्वास्थ्य दशा की निरंतर निगरानी करते हुए समीक्षा की जाये। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोविड-19 संक्रमित रोगियों को समय पूर्ण उपचार प्राप्त हो।

5 . हल्के लक्षण वाले कोविड-19 संक्रमित रोगियों को होम आइसोलेशन में ही उपचार प्रदान किया जाये एवं निरन्तर उनके स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी की जाये। ऐसे रोगियों में किसी भी प्रकार के गंभीर लक्षण होने पर शीघ्र ही उन्हें सम्बन्धित चिकित्सालय में संदर्भित किया जाये।

6. कोविड - 19 जॉब हेतु

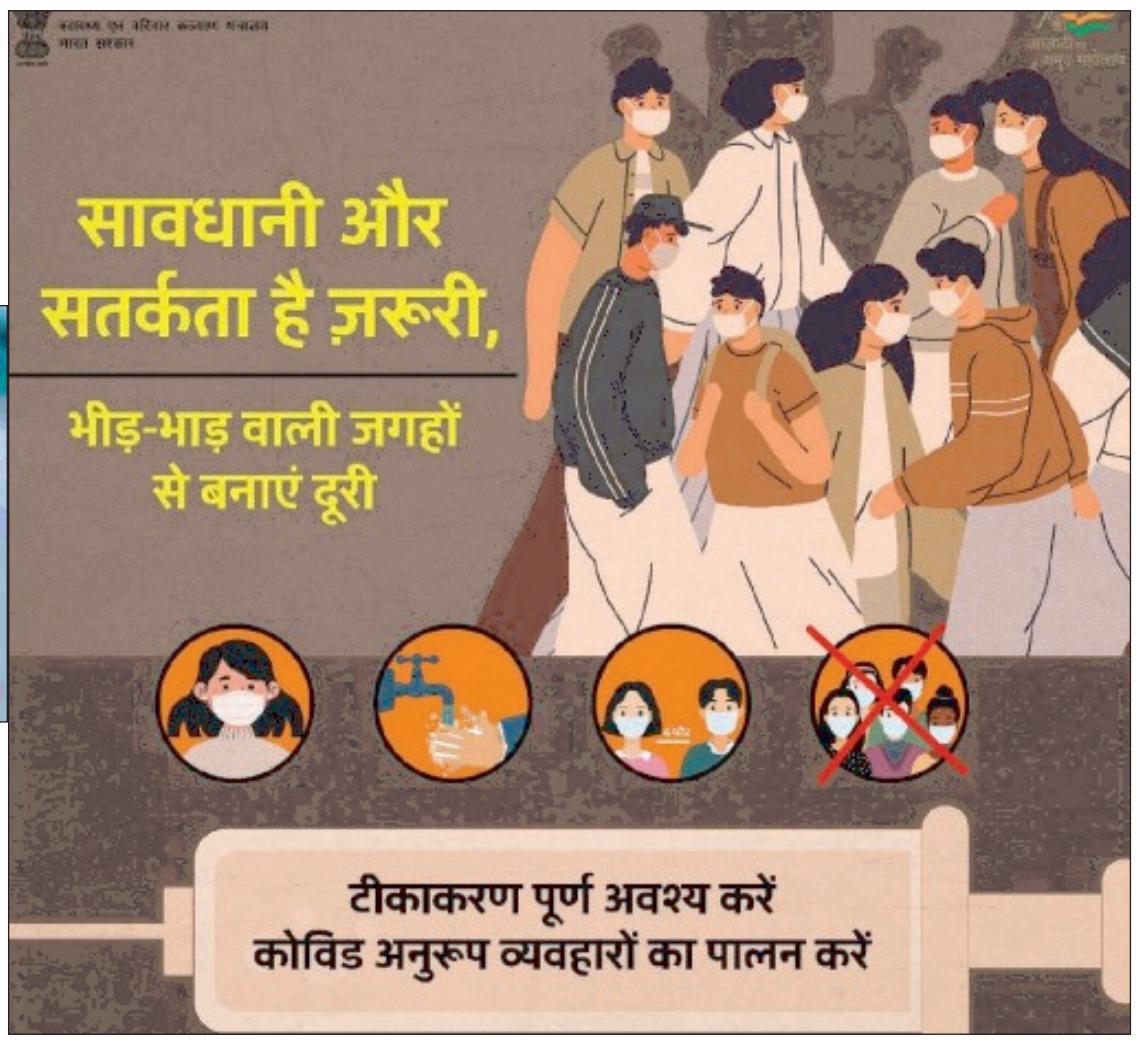

आई०सी०एम०आर०, भारत सरकार के दिशा निर्देशों का पालन किया जाये। जनपद स्तर पर कोविड-19 सैंपल जांच की दर को बढ़ाया जाये एवं जांच हेतु लिए गए कुल सैंपल में से अधिकतम सैंपल RTPCR जाँच हेतु प्रेषित किए जाएं।

7. चिकित्सालयों में आने वाले सभी Influenza like Illness (IU) / Severe Acute Respiratory illness (SARI) के रोगियों की कोविड-19 जांच की जाए एवं उक्त सभी रोगियों का विवरण अनिवार्य रूप से आई०डी०एस०पी० के अंतर्गत Integrated Health Information Platform (IHIP) पोर्टल में प्रविष्ट किया जाये।

8. समुदाय स्तर पर यदि किसी जगह कोविड- 19 अथवा फीवर केस की क्लस्टरिंग मिलती है तो वहां पर त्वरित जांच सुविधा की उपलब्धता एवं निरोधात्मक कार्यवाही की जाये।9. कोविड-19 जांच में RTPCR द्वारा पॉजिटिव पाए गए सभी रोगियों के सैंपल Whole Genome Sequence (WGS) जांच हेतु राजकीय दून मेडिकल कॉलेज को प्रेषित किये जाएं एवं WGs जांच हेतु प्रेषित सभी सैंपलों की सूचना अनिवार्य रूप से आई०डी०एस०पी० के अंतर्गत Integrated Health Information Platform (HP) पोर्टल में प्रविष्ट किया जाये।

उत्तराखंड आ रहे हैं तो ध्यान दें, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की बेहद जरूरी कोरोना गाइडलाइन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में कोरोना के पिछले 15 दिनों में 1000 से ज्यादा मामले आ चुके हैं. राज्य में संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब स्वास्थ्य विभाग ने कोविड की गाइडलाइन जारी कर दी है. इसके तहत राज्य में कोरोना संक्रमण को लेकर आईसीएमआर के जरूरी दिशा निर्देशों का करने से जुड़े निर्देश दिए गए हैंआम जनमानस में कोविड-19 से बचाव के लिए कोविड एप्रोप्रियेट व्यवहार जैसे कि सामाजिक दूरी का अनुपालन, मास्क पहनना एवं हाथों को Sanitize करने आदि के प्रति जागरूकता (संलग्न) हेतु विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए.भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार कोविड-19 टीकाकरण कवरेज को बढ़ाया जाए. पूर्ण कोविड-19 टीकाकरण के लिए आम जनता को नियमित रूप से प्रेरित करने हेतु जागरूकता की जाए.चिकित्सा इकाइयों में कोविड-19 संक्रमित रोगियों के उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन बेड, वेंटिलेटर आईसीयू बेड एवं आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए. संबंधित चिकित्सा इकाइयों में स्थापित ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए.दैनिक रूप से राजकीय एवं निजी चिकित्सा इकाइयों में कोविड-19 संक्रमित भर्ती रोगियों की सूचना प्राप्त की जाये एवं रोगियों के स्वास्थ्य दशा की निरन्तर निगरानी करते हुये समीक्षा की जाए. यह सुनिश्चित किया जाये कि कोविड- 19 संक्रमित रोगियों को ससमय पूर्ण उपचार प्राप्त हो.हल्के लक्षण वाले कोविड-19 संक्रमित रोगियों को होम आईसोलेशन में ही उपचार प्रदान किया जाये एवं निरंतर उनके स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी की जाये. ऐसे रोगियों में किसी भी प्रकार के गम्भीर लक्षण होने पर शीघ्र ही उन्हें सम्बन्धित

चिकित्सालय में संदर्भित किया जाये.कोविड-19 जांच के लिए जाईसीएमआर, भारत सरकार के दिशा निर्देशों का पालन किया जाये. जनपद स्तर पर कोविड- 19 सैंपल जांच की दर को बढ़ाया जाये एवं जांच हेतु लिए गए कुल सैंपल में से अधिकतम सैंपल RTPCR जांच हेतु प्रेषित किये जाएं.चिकित्सालयों में आने वाले सभी Influenza like illness (ILI) / Severe Acute Respiratory illness (SARI) के रोगियों की कोविड- 19 जांच की जाये एवं उक्त सभी रोगियों का विवरण अनिवार्य रूप से आईडीएसपी के अंतर्गत Integrated Health Information Platform (IHIP) पोर्टल में प्रविष्ट किया जाये.समुदाय स्तर पर यदि किसी जगह कोविड-19 अथवा फीवर केस की क्लस्टरिंग मिलती है तो वहां पर त्वरित जांच सुविधा की उपलब्धता एवं निरोधात्मक कार्रवाई की जायें.कोविड- 19 जांच में RTPCR द्वारा पॉजिटिव पाए गए सभी रोगियों के सैंपल Whale Genome Sequence (WGS) जांच हेतु राजकीय दून मेडिकल कॉलेज को प्रेषित किये जाएं एवं WGS जांच हेतु प्रेषित सभी सैंपलों की सूचना अनिवार्य रूप से आईडीएसपी के अंतर्गत Integrated Health Information Platform (IHIP) पोर्टल में प्रविष्ट की जाये.

हड्डियों में कैल्शियम की कमी? खाएं ये 5 फूड्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अक्सर देखा गया है। 40 के बाद हड्डियों में दर्द होने लगता है। या फिर बच्चों को भी ठंड के मौसम में उनकी हड्डियों में दर्द होने लगता है। हड्डियों में दर्द मतलब शरीर में कैल्शियम की कमी। टीम न्यूज़ वायरस इस खबर में आपको उन खाद्य पदार्थों के बारे में बताएगा, जो आपको भरपूर मात्रा में कैल्शियम दे सकते हैं। आप इस भोजन को सभी को खिला सकते हैं लेकिन कम मात्रा में। आपको बता दे की कैल्शियम की लगभग 99 फीसदी मात्रा हड्डियों और दांतों में होती है और बचा हुआ एक फीसदी रक्त और मुलायम टिशू में होता है. अगर आपको भी कुछ सामान उठाते हुए, इधर-उधर रखते हुए, चलते हुए, उठते-बैठते हुए या फिर बिना किसी कारण ही हड्डियों में दर्द महसूस होने लगा है तो हो सकता है कि आपकी हड्डियां में कैल्शियम की कमी है।40 साल से ऊपर के लोगों के स्वास्थ्य के लिए कैल्शियम उतना ही जरूरी है जितना कि दूसरे पोषक तत्वों का। महिलाओं में कैल्शियम की कमी खासकर 35 साल की उम्र के बाद दिखने लगती है। ये 5 खाद्य पदार्थ कैल्शियम से भरपूर होते हैं। इन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

अंजीर : अंजीर में कैल्शियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है। शरीर को प्रतिदिन कितने कैल्शियम की आवश्यकता होती है उसे 10 प्रतिशत मिलता है। वहीं, अंजीर में मौजूद पोटेशियम शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। इन्हें सूखा भी खाया जा सकता है और आप अंजीर को भिगोकर भी खा सकते हैं। चिया सीड्स कैल्शियम से भरपूर चिया सीड्स दिखने में तो छोटे होते हैं लेकिन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। ये न केवल कैल्शियम बल्कि शरीर को अच्छी मात्रा में फोलेट, आयरन और घुलनशील फाइबर भी प्रदान करते हैं। इन्हें पानी में भिगोकर दही या अनाज के साथ भी खाया जा सकता है।

दूध : दूध को कैल्शियम और प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसमें विटामिन बी12 और विटामिन डी भी होता है। एक गिलास दूध पीने से ही शरीर को 300 मिलीग्राम कैल्शियम मिलता है। अगर आप अपनी हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो रोजाना दूध पीना आपके लिए अच्छा विकल्प होगा।

सोयाबीन : अगर आप भी आधा कप सोयाबीन खाते हैं तो आपके शरीर को 230mg तक कैल्शियम मिलेगा। यह उन महिलाओं के लिए कैल्शियम का सही स्रोत है जो शाकाहारी आहार का पालन करती हैं। इसे सब्जी के रूप में भूनकर या बिना भून कर भी खाया जा सकता है.हरी

पत्तेदार सब्जियां : पके हुए केल और पालक कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। वहीं, आधा कप कोलार्ड साग से 175mg तक कैल्शियम की मात्रा मिलती है।

क्या आप ओआईसी कार्ड के बारे में जानते है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत में दोहरी नागरिकता का प्रावधान नहीं है. यानी कि अगर आप किसी और देश की नागरिकता चाहते हैं तो आपको भारत की नागरिकता छोड़नी होगी। विदेश में बसे और वहाँ की नागरिकता ले चुके भारतीय लोगों के लिए एक ख़ास तरह की सुविधा का नाम है ओसीआई कार्ड. ओसीआई का मतलब है--ओवरसीज़ सिटीजन ऑफ़ इंडिया. दरअसल, दुनिया के कई देशों में दोहरी नागरिकता की सुविधा है, लेकिन भारतीय नागरिकता कानून के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति किसी और देश की नागरिकता ले लेता है तो उसे अपनी भारतीय नागरिकता छोड़नी पड़ती है. ऐसे लोगों की संख्या लाखों में है जो अमरीका, ब्रिटेन या कनाडा जैसे देशों की नागरिकता ले चुके हैं लेकिन उनका भारत से जुड़ाव बना हुआ है.इन लोगों को भारत की नागरिकता छोड़ने के बाद, भारत आने के लिए वीजा लेना पड़ता था. ऐसे ही लोगों की सुविधा का ख्याल करते हुए 2003 में भारत सरकार पीआईओ कार्ड का प्रावधान किया। पीआईओ का मतलब है- पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन. यह कार्ड पासपोर्ट की ही तरह दस साल के लिए जारी किया जाता था। इसके बाद भारत सरकार ने प्रवासी भारतीय दिवस के मौके पर 2006 में हैदराबाद में ओसीआई कार्ड देने की घोषणा की। काफ़ी समय तक पीआईओ और ओसीआई कार्ड दोनों ही चलन में रहे लेकिन 2015 में पीआईओ का प्रावधान खत्म करके सरकार ने ओसीआई कार्ड का चलन जारी रखने की घोषणा की।

ओसीआई एक तरह से भारत में जीवन भर रहने, काम करने और सभी तरह के आर्थिक लेन-देन करने की सुविधा देता है, साथ ही ओसीआई धारक व्यक्ति जब चाहे बिना वीजा के भारत आ सकता है. ओसीआई कार्ड जीवन भर के लिए मान्य होता है।

भारतीय गृह मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, ओसीआई कार्ड के धारकों के पास भारतीय नागरिकों की तरह सभी अधिकार हैं लेकिन चार चीज़ें वे नहीं कर सकते- चुनाव नहीं लड़ सकतेवोट नहीं डाल सकतेसरकारी नौकरी या संवैधानिक पद पर नहीं हो सकतेखेती वाली जमीन नहीं खरीद सकते

शाम का नाश्ता जो आपकी भूख के साथ-साथ आपके शरीर का भी ख्याल रखता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शाम को स्वादिष्ट स्नैक्स खाना किसे पसंद नहीं होता। खासकर जब भूख की पीड़ा होती है। खैर, अब समय आ गया है कि आप कुछ स्वस्थ और स्वादिष्ट चीज़ों के साथ एक ब्रेक लें और अपने शरीर को संभालें।प्रोटीन और फाइबर से भरपूर, चना चाट शायद एक प्लेट फुल चना (सफेद छोले) का आनंद लेने के लिए सबसे अच्छे और स्वस्थ तरीकों में से एक है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह चाट सरसराहट करने में काफी आसान है। आपको केवल खीरा, प्याज और टमाटर जैसे सरल और स्वस्थ खाद्य पदार्थों की आवश्यकता है।तो, इस स्वस्थ और आसानी से बनने वाले चिकने स्नैक के साथ अपने स्नैकिंग गेम को एक पायदान ऊपर ले जाएं और छोले के लाभों का लाभ उठाएं जो आपके स्वास्थ्य को बदल सकते हैं।एक स्वस्थ स्वास्थ्य बनाए रखता है - चना मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे कई खनिजों का एक बड़ा स्रोत है, जो उच्च रक्तचाप को रोकने में मदद करके हृदय स्वास्थ्य का समर्थन कर सकता है - हृदय रोग के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक। इसके अतिरिक्त, छोले में घुलनशील फाइबर ट्राइग्लिसराइड्स और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए दिखाया गया है, जिसका ऊंचा स्तर हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।हार्मोनल असंतुलन को नियंत्रित करता है - छोला फाइटोन्यूट्रिएंट्स का एक बड़ा स्रोत है, जैसे कि फाइटो-एस्ट्रोजन (पौधे के हार्मोन) और सैपोनिन (एंटीऑक्सीडेंट)। यह फलियां आपके स्तन कैंसर के जोखिम को कम करती हैं और एस्ट्रोजन हार्मोन के रक्त स्तर को बनाए रखते हुए ऑस्टियोपोरोसिस से बचाती हैं। छोला मासिक धर्म के दौरान होने वाले मूड में बदलाव और महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद के लक्षणों से राहत दिलाने में भी मदद करता है।मस्तिष्क स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है - छोला कोलीन का एक बड़ा स्रोत है, जो स्वस्थ दिमाग और बेहतर मस्तिष्क स्वास्थ्य में योगदान देता है। छोले खाने के लाभों में न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन शामिल है जो शरीर में तंत्रिका कोशिकाओं को उत्तेजित करता है। यह आपके शरीर को मैग्नीशियम भी प्रदान करता है, जो उचित तंत्रिका कार्य के लिए आवश्यक खनिज है।

आज मंत्री रेखा आर्य की कांवड़ यात्रा, विपक्ष को बताया संकीर्ण मानसिकता से ग्रसित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बीते हफ्ते धामी सरकार 2.0 की एकमात्र महिला कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य अपने दो सरकारी आदेशों के चलते खासी चर्चाओं में रहीं. वहीं, कांग्रेस ने भी इन दोनों सरकारी आदेशों को लेकर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य को जमकर घेरा. मामला बढ़ता देख अब इस मामले पर रेखा आर्य ने सफाई दी है.

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि आज से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के साथ कांवड़ यात्रा की जा रही है. जिसके तहत जो पत्र विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को लिखा गया है, वह एक भाव के साथ लिखा गया है, न की दबाव में. उन्होंने कहा अगर बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ के लिए हम कोई अभियान चला रहे हैं तो वह सकारात्मक संदेश है.

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा मुझे भी जन्म लेने का अधिकार अभियान के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके आसपास के क्षेत्र के शिवालयों में जलाभिषेक करने के लिए लिखा गया है. उसमें कोई दबाव की बात नहीं है. जो भी बेटी बचाने के लिए संकल्पबद्ध होना चाहता है, वह जलाभिषेक कर सकता है. जो नहीं भी करेगा उस पर कोई दबाव नहीं बनाया गया है. रेखा आर्य ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा बेटी बचाओ अभियान के तहत पूर्व में साइकिल रैली निकाली गई तब भी उन्होंने सवाल उठाया था. अब दोबारा यह सार्थक अभियान चलाया जा रहा तो विपक्ष अपनी संकीर्ण मानसिकता के साथ दोबारा परेशान है.

मुख्यमंत्री की दिल्ली यात्रा

बच्चों के भविष्य और बेरोजगारों की समस्या पर बरसी आप प्रवक्ता कमलेश रमन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बीते दिनों आप ज्वाइन करने वाली उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य लीडरशिप में शामिल रही पूर्व उपाध्यक्ष और महनार में कांग्रेस की महिला कमान को धार देने वाली आप प्रवक्ता कमलेश रमन ने आरोपों की झड़ी लगा दी है। अपने पुराने फॉर्म में आते हुए आप नेता कमलेश ने कहा है कि उत्तराखंड में जो पेपर लीक कर के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है वह बहुत ही शर्मनाक और दुखद है।

धामी सरकार को इसमें तुरंत जिन लोगों के खिलाफ जांच बिठाई गई है उन्हें त्वरित गति से बर्खास्त कर जेल में डाल कर आने वाले बच्चो के भविष्य को सुरक्षित करना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से ये मांग रखी है। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ प्रवक्ता और राजपुर रोड से कांग्रेस का मजबूत चेहरा रही कमलेश रमन का जिन्होंने कहा कि यह सरकार की नाकामी ही है जो अधीनस्थ सेवा चयन में पेपर लीक हो गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी सरकार केवल और केवल दूसरी बार प्रचंड बहुमत पाकर सत्ता के नशे में चूर है जिसे इस प्रदेश के बेरोजगारों की ओर ध्यान नहीं है। आज भुखमरी बेरोजगारी इस कगार पर

पहुंच चुकी है की निम्न वर्ग और मध्यम वर्ग के लोगों को अपना घर चलाना बहुत ही मुश्किल हो गया है लेकिन सरकार है कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। आप प्रवक्ता और सामाजिक कार्यकर्त्ता कमलेश रमन कहती हैं कि बच्चे मेहनत करके परीक्षाओं को पास करते हैं उनके साथ यह भद्दा सा मजाक बार-बार किया जाता है। पिछले कई कई वर्षों से नियुक्तियां विभागों में अधूरी पड़ी है। उन्होंने कहा है कि धामी सरकार को इस तरह के संस्थानों पर सख्त निगरानी रखी जानी चाहिए और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही होनी चाहिए ऐसा ना हो कि जो लाखों जांच आज भी फाइलों में दबी पड़ी है यह भी अपने चहेतों को बचाने के चक्कर में कई धूल ना फांकने लगे

ट्रेन में फर्जी बम की सूचना से मचा हड़कंप, कांवड़ स्पेशल ट्रेन की तलाशी के बाद पुलिस ने चैन की सांस ली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कांवड़ स्पेशल ट्रेन जो दिल्ली से चलकर रात 2 बजे हरिद्वार पहुंचती है उस ट्रेन में बम होने की सूचना से मचा हड़कंप। बता दें कि यह फर्जी सूचना थी और फर्जी सूचना देने वाले को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। अगर पूरे मामले को विस्तार से बताया जाए तो दिल्ली से हरिद्वार आ रही कांवड़ स्पेशल ट्रेन में बम की सूचना पर पुलिस और जीआरपी में हड़कंप मच गया. हरिद्वार पहुंचने पर बम निरोधक दस्ते ने पूरी ट्रेन की तलाशी ली, गनीमत रही कि ट्रेन में कोई बम नहीं मिला तो पुलिस और जीआरपी ने राहत की सांस ली.

हरिद्वार पुलिस को जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 2 बजे दिल्ली से हरिद्वार पहुंच रही कंवर स्पेशल ट्रेन के एक व्यक्ति ने कंट्रोल रूम को सूचना दी कि ट्रेन में कुछ संदिग्ध लोग हैं, और उनके पास बम हैं। ये लोग ट्रेन में बम रखकर इसे उड़ाने की योजना बना रहे हैं। इसकी सूचना कंट्रोल रूम को मिलने के बाद जीआरपी व पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। ट्रेन के पहुंचने से पहले ही जीआरपी एसएसपी ददन पाल सिंह, एएसपी अरुणा भारती, थानाध्यक्ष जीआरपी अनुज कुमार, थानाध्यक्ष आरपीएफ बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड और दमकल वाहनों के साथ स्टेशन पहुंच गए। ट्रेन के आते ही सभी कांवड़ियों को प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उतार दिया गया। पूरी ट्रेन की काफी तलाशी ली गई, लेकिन उसमें कुछ नहीं मिला। जिसके बाद पुलिस ने गाजियाबाद निवासी रिंकू वर्मा को रेलवे स्टेशन परिसर से ट्रेन से नीचे उतरते ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के लिए थाने लाए जाने के बाद नशे में धुत रिंकू ने बताया कि पास में बैठे कुछ लड़कों का ट्रेन में उससे विवाद हो गया, जिसके बाद उन्होंने उसकी पिटाई कर दी। उन्हें सबक सिखाने के लिए उसने कंट्रोल रूम को ट्रेन में बम होने की फर्जी जानकारी दी।

ठेकेदारों सावधान,अब आपका फर्जीवाड़ा नही चलेगा, डीएम युगल किशोर पंत का एलान-ए- क्लीन ऑपरेशन

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर। फर्जी डॉक्यूमेंट के आधार पर टैण्डर लेने वाले ठैकेदारों के खिलाफ तुरन्त धोखा-धड़ी का मुकदमा दर्ज कराना सुनिश्चित करें। यह निर्देश जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए दिये।

जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ठैकेदारों द्वारा लगाये जाने वाले दस्तावेजों की गहनता से जॉच करना सुनिश्चित करें और फर्जी दस्तावेज लगाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ तुरन्त मुकदमा दर्ज कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की सहूलियत पर विशेष ध्यान दिया जाये न कि ठैकेदार की सहूलियतों पर। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि समय से काम शुरू न करने वाले ठैकेदारों के टैण्डर शीघ्रातिशीघ्र निरस्त करने की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत योजनाओं को समयबद्धता एवं गुणवत्ता से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिन योजनाओं में अपेक्षित गति प्राप्त नहीं हुई है, उन योजनाओं में तेजी लाकर योजनाओं को समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी घर जल संयोजन से वंचित न रहे और हर घर में नल-हर नल में जल होना चाहिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि पानी की टंकी निर्माण कार्य में मजदूरों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी न हो।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका होने के कारण समितियों कको जल की गुणवत्ता परीक्षण किट व किट के उपयोग करने के सम्बन्ध में प्रशिक्षण देते हुए समितियों को पेयजल एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना सुनिश्चित करें। उन्होंने महाप्रबन्धत जल संस्थान के स्तर पर लम्बित प्रकरणों की सम्पूर्ण जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश अधिशासी अभियंताओं को दिये। नोडल अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता मृदुला सिंह ने बताया कि कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी)की संख्या 95406 हो चुकी है जबकि जनपद में 201229 का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि जनपद के 607 राजस्व ग्रामों में से 604 राजस्व ग्रामों में ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता समितियों का गठन हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने जनपद में प्रथम व द्वितीय चरण के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी तारा ह्यांकी, जिला पंचायतराज अधिकारी आरसी त्रिपाठी, सहित जल संस्थान व जल निगम के अधिशासी अभियंता उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस पर भारतीय सेना के अदम्य साहस व शौर्य को नमन : मुख्यमंत्री

- देश के लिये अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों को अर्पित की श्रद्धांजलि
- उत्तराखण्ड में देश के लिये बलिदान देने की रही है परम्परा

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के अदम्य साहस व शौर्य को नमन करते हुए देश के लिये अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में भी देश के लिये बलिदान की परम्परा रही है। कारगिल युद्ध में बड़ी संख्या में उत्तराखण्ड के सपूतों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुती दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण के लिये वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सेना ने अपने शौर्य और पराक्रम से हमेशा देश का मान बढ़ाया है। हमें अपने जवानों की वीरता पर गर्व है।

भारतीय सेना के अदम्य साहस व शौर्य का लोहा पूरी दुनिया मानती है। भारतीय सेना के वीर जवानों ने कारगिल में विपरीत परिस्थितियों में भी दुश्मन को भागने पर मजबूर किया था। कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा।

ताम्र उत्पाद को प्राप्त हुआ जीआई टैग, जानिए क्या है जीआई टैग?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आइए हम आपको पहले बताते हैं कि यह जीआई टैग क्या होता है, भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग एक प्रकार का लेबल है। इसके जरिए किसी उत्पाद को एक खास भौगोलिक पहचान दी जाती है। जीआई टैग सुरक्षा प्रदान करता है कि जिस भौगोलिक क्षेत्र में उत्पाद का उत्पादन होता है,कोई दूसरा व्यक्ति, संस्था या देश उनके नाम की नकल नहीं कर सकता। जीआई टैग स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हाल ही में उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड वासियों के लिए यह खुशखबरी दी, उन्होंने एक ट्वीट के जरिए बताया कि उत्तराखंड के 400 साल पुराने तांबे के कारोबार को जीआई टैग मिल गया है. जीआई टैग मिलने से जहां तांबे के बर्तनों की मांग बढ़ेगी वहीं उत्पादकों की स्थिति में भी सुधार होगा। तांबे के उत्पादों के लिए जीआई टैग यानी भौगोलिक संकेत मिलने से तांबे के उत्पादों की मांग बढ़ने के साथ-साथ उत्पादकों को आर्थिक मजबूती भी मिलेगी।

आपको बता दें कि उत्तराखंड में अल्मोड़ा के तांबे के बर्तनों की देश के साथ-साथ विदेशों में भी मांग है। इसलिए अल्मोड़ा को कॉपर सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहां का तांबे का व्यापार करीब 400 साल पुराना माना जाता है। हालांकि धीरे-धीरे सरकारों की उदासीनता के चलते यह धंधा आज सिमट कर रह गया। लेकिन काराखाना बाजार स्थित अनोखी लाल और हरिकिशन नाम की एक दुकान ने अल्मोड़ा तांबे के कारोबार को आज भी जिंदा रखा है।यह दुकान पिछले 60 वर्षों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए तांबे के बर्तनों के लिए बाजार उपलब्ध करा रही है।

आपको बता दें कि तांबे के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। या यहां तक कि वाटर प्यूरीफायर में तांबे का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। कॉपर यानी तांबे के बर्तन का नियमित रूप से उपयोग करने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है जिससे पेट दर्द, गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी परेशानियों से निजात मिल सकती है. तांबे में एंटी-एजिंग गुण पाए जाते हैं. इसमें रखे पानी पीने से त्वचा संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और त्वचा में चमक आती है. तांबे का पानी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है। अल्मोड़ा में हस्तनिर्मित तांबे के बर्तन शुद्ध तांबे के होते हैं। जिनको कारीगर पिघलाकर हथौड़े से पीट-पीटकर बनाते हैं। दीपावली के समय में तांबे के बर्तनों की काफी डिमांड रहती है।

राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित किये जाने के लिए केंद्र से किया अनुरोध : मुख्यमंत्री

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन कक्ष में केंद्रीय सडक परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट कर राज्य की विकास योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित किये जाने के लिए अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास व कनेक्टीविटी में काफी काम हुआ है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग को एन०एच०- 109K के ज्यामित्तीय सुधार एवं चौड़ीकरण के कार्य के लिये उत्तराखण्ड, लो०नि०वि० को निर्माण एजेंसी नामित किये जाने के साथ ही मसूरी में 02 लेन टनल परियोजना के कार्य हेतु लो०नि०वि० को कार्यदायी संस्था बनाये रखने के सम्बन्ध में आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से एन0एच0-09 के अन्तर्गत पिथौरागढ़-अस्कोट मोटर मार्ग (किमी0 2.81 से किमी0 50.00) हेतु बी०आर०ओ० द्वारा प्रस्तुत डी०पी०आर० की स्वीकृति, सितारगंज-टनकपुर मोटर मार्ग को 04 लेन में निर्मित किये जाने और एन0एच0-731K के अन्तर्गत मझौला - खटीमा (13 किमी0) मोटर मार्ग को 04 लेन में परिवर्तित किये जाने के सम्बन्ध में भी अनुरोध किया।

कहानी दुनिया के जांबाज़ शिकारी जिम कार्बेट की

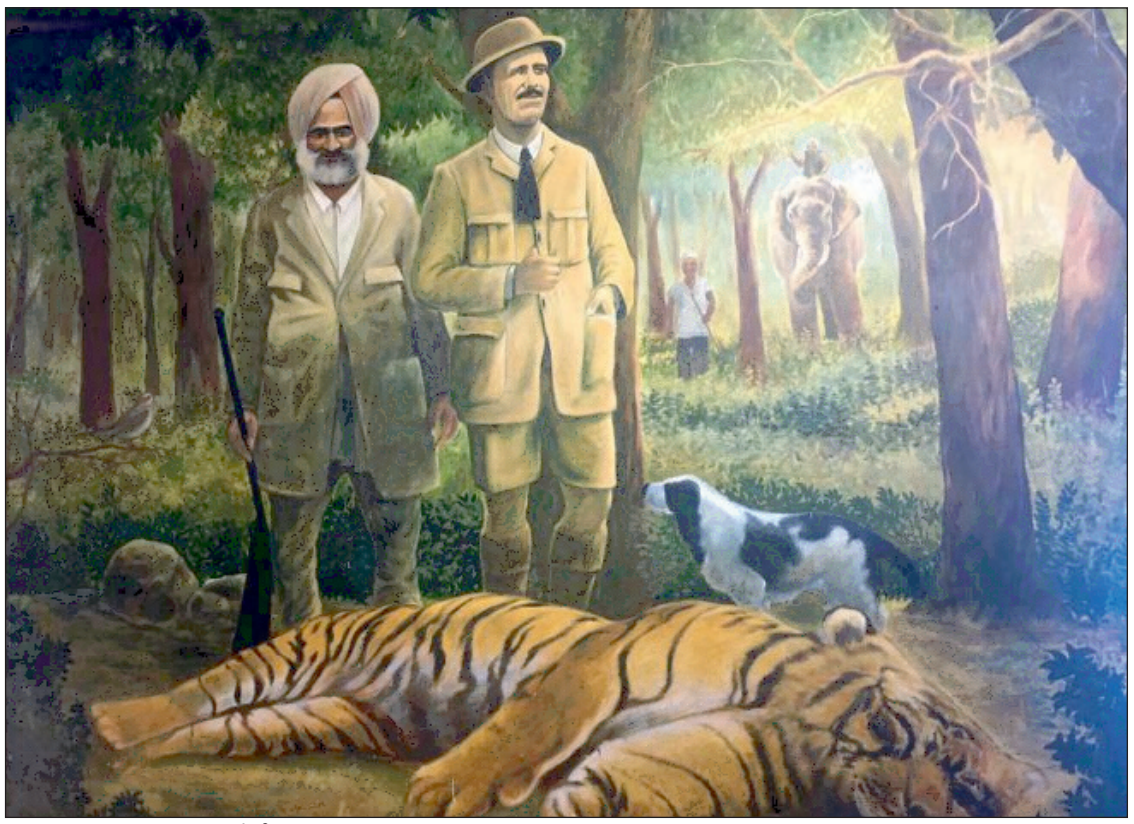

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनिया के सबसे जांबाज़ और मशहूर शिकारी का रिश्ता पहाड़ों से है। जी हाँ सही समझ रहे हैं आप हम बात कर रहे हैं एडवर्ड जेम्स कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट की जिनकी आज 147वीं जयंती है... लेकिन आज की नई पीढ़ी को शायद उनके बारे में ज्यादा जानकारी न हो तो चलिए हम आज उन्हीं शख्सियत से जुडी रोचक कहानी को बताते हैं।

जिम कॉर्बेट एक शिकारी और महान व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे. उन्होंने साल 1907 से साल 1938 के बीच कुमाऊं और गढ़वाल दोनों जगह नरभक्षी बाघों व तेंदुओं के आतंक से निजात दिलायी थी. इसके अलावा जिम कॉर्बेट ने 6 किताबें भी लिखी हैं. इनमें से कई पुस्तकें पाठकों को काफी पसंद आईं, जो आगे चलकर काफी लोकप्रिय हुईं.

उत्तराखंड के नैनीताल में हुआ था जिम कॉर्बेट का जन्म -

मशहूर शिकारी एडवर्ड जेम्स जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई 1875 को नैनीताल में हुआ था. नैनीताल में जन्मे होने के कारण जिम कॉर्बेट को नैनीताल और उसके आसपास के क्षेत्रों से बेहद लगाव था. उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नैनीताल में ही पूरी की. अपनी युवावस्था में जिम कॉर्बेट ने पश्चिम बंगाल में रेलवे में नौकरी कर ली, लेकिन नैनीताल का प्रेम उन्हें नैनीताल की हसीन वादियों में फिर खींच लाया.कालाढूंगी में बनाया था घरः जिम कॉर्बेट ने साल 1915 में स्थानीय व्यक्ति से कालाढूंगी क्षेत्र के छोटी हल्द्वानी में जमीन खरीदी. सर्दियों में यहां रहने के लिए जिम कॉर्बेट ने एक घर बना लिया और 1922 में यहां रहना शुरू कर दिया. गर्मियों में वो नैनीताल में गर्मी हाउस में रहने के लिए चले जाया करते थे. उन्होंने अपने सहयोगियों के लिए अपनी 221 एकड़ जमीन को खेती और रहने के लिए दे दिया. जिसे आज कॉर्बेट का गांव छोटी हल्द्वानी के नाम से जाना जाता है. उस दौर में छोटी हल्द्वानी में चौपाल लगा करती थी.

वन विभाग ने जिम कॉर्बेट की अमूल्य धरोहर को आज एक संग्रहालय में तब्दील कर दिया है. हजारों की तादाद में देश-विदेश से सैलानी जिम कॉर्बेट से जुड़ी यादों को देखने के लिए आते हैं. जिम कॉर्बेट का नाम महान शिकारियों में जाना जाने लगा. कई आदमखोर बाघों का शिकार करने के बाद जिम के मन में वन्यजीवों के प्रति प्रेम बढ़ गया.हृदय परिवर्तन होने के कारण जिम कॉर्बेट ने बाघों के संरक्षण के लिए काम करना शुरू कर दिया. फिर उसके बाद जिम कॉर्बेट ने कभी बाघ या अन्य जानवरों को मारने के लिए बंदूक नहीं उठाई. इसके अलावा उन्होंने सामाजिक कार्यों से लोगों की मदद की. जिस कारण उनके सम्मान में भारत सरकार ने साल 1955 में राष्ट्रीय उद्यान रामगंगा नेशनल पार्क का नाम बदलकर कॉर्बेट नेशनल पार्क रख दिया.

जिम कॉर्बेट एक असाधारण और बेहद साहसिक नाम है. उनकी वीरता के कारनामे हैरत में डालने वाले हैं. जिम कॉर्बेट एक महान शिकारी थे. उनको तत्कालीन अंग्रेज सरकार आदमखोर बाघ को मारने के लिए बुलाती थी. गढ़वाल और कुमाऊं में उस वक्त आदमखोर बाघ और गुलदार ने आतंक मचा रखा था. उनके खात्मे का श्रेय जिम कॉर्बेट को जाता है.

साल 1907 में चंपावत शहर में एक आदमखोर 436 लोगों को अपना निवाला बना चुका था. तब जिम कॉर्बेट ने लोगों को आदमखोर के आतंक से मुक्त कराया था. जिम ने 1910 में मुक्तेश्वर में जिस पहले तेंदुए को मारा था, उसने 400 लोगों को मौत के घाट उतारा था. जबकि दूसरे तेंदुए ने 125 लोगों को मौत के घाट उतारा था. उसे जिम ने 1926 में रुद्रप्रयाग में मारा था. जिम कॉर्बेट ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक के बाद एक सभी आदमखोरों को मौत की नींद सुला दिया था. कहा जाता है कि जिम कॉर्बेट ने 31 साल में 19 आदमखोर बाघ और 14 आदमखोर तेंदुए को ढेर किया था. इस तरह उन्होंने कुल 33 आदमखोर बाघ और तेंदुओं को ढेर कर आमजन को राहत दिलाई थी...

जानिए पूर्व राष्ट्रपति को सेवानिवृत्ति के बाद क्या-क्या सुविधाएं दी जाती हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हमारे देश के राष्ट्रपति के सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्हें कई सुविधाएं दी जाती हैं, जिनके बारे में हम आपको एक खबर में बताएंगे। आपको बता दे की भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को ख़तम हो गया है। देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के लिए संसद भवन में विदाई समारोह आयोजित किया गया था। जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदाई भोज दिया.

रिटायर होने के बाद भी राष्ट्रपति को कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। जिसमे सुरक्षा भी दी जाती है। बता दे की देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को खत्म हो गया है. और आज 25 जुलाई को नए राष्ट्रपति के तौर पर द्रौपदी मुर्मू रामनाथ कोविंद की जगह लेंगी. राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू ने विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराकर बड़ी जीत हासिल की है।

सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति भवन छोड़ना होगा। राष्ट्रपति पद से सेवानिवृत्त होने के बाद रामनाथ कोविंद नई दिल्ली के 12 जनपथ स्थित बंगले में शिफ्ट हो जाएंगे। इस बंगले में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान कई दशकों तक रहे। भारत के राष्ट्रपति अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भी एक शानदार जीवन जीते हैं।तीनों सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद राष्ट्रपति को कई भत्ते और सुविधाएं मिलती हैं। पूर्व राष्ट्रपति को 8 कमरों का सरकारी बंगला दिया जाता है। इसके साथ ही पूर्व राष्ट्रपति मोटी पेंशन के भी हकदार हैं।

राष्ट्रपति के पद से रिटायर होने के बाद पूर्व राष्ट्रपति को 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह की पेंशन,पत्नी को प्रति महीने सेक्रेटेरियल सहायक के रूप में 30 हजार रुपये की राशि दी जाती है। सचिवीय कर्मचारियों और दफ्तर के लिए 60,000 रुपये दिए जाते हैं। पूर्व राष्ट्रपति को कम से कम 8 कमरों वाला बंगला दिया जाता है। पूर्व राष्ट्रपति को 2 लैंडलाइन, एक मोबाइल फोन और इंटरनेट कनेक्शन। पूर्व राष्ट्रपति को मुफ्त बिजली और पानी की सुविधा। पूर्व राष्ट्रपति को गाड़ी और ड्राइवर भी दिए जाते हैं। मुफ्त मेडिकल की सुविधा भी दी जाती है। पांच लोगों का निजी स्टाफ भी पूर्व राष्ट्रपति को मिलता है। दिल्ली पुलिस की सुरक्षा दी जाती है। पूर्व राष्ट्रपति को एक व्यक्ति के साथ प्रथम श्रेणी में मुफ्त ट्रेन और हवाई यात्रा की सुविधा।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी रेल मंत्री ने की नई घोषणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रेल से यात्रा करने वालों के लिए बड़ी खबर, भारत में हर दिन लाखों लोग ट्रेन से यात्रा करना पसंद करते हैं क्योंकि अन्य वाहनों के अनुसार ट्रेन को दूरी यात्रा के लिए सबसे अच्छा बनाया गया है, इसमें आराम के साथ-साथ सस्ते टिकट भी हैं। अगर आप भी ट्रेन से यात्रा करना पसंद करते हैं। तो इस खबर को पढ़कर आप भी खुशी से झूम उठेंगे। देखा जाये तो भारतीय रेलवे अपने यात्रियों की सुविधा के लिए समय-समय पर नई सुविधाएं देती रहती है। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने खजुराहो से दिल्ली के लिए वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की घोषणा की थी. इस दौरान रेल मंत्री ने बताया कि छतरपुर और खजुराहो में रेक प्वाइंट स्वीकृत किए गए हैं.कार्यक्रम के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने खजुराहो स्टेशन के पुनर्विकास की भी बात कही।

उन्होंने कहा कि इस स्टेशन को वर्ल्ड क्लास के लेवल पर बनाया जाएगा. वन स्टेशन, वन प्रोडक्ट योजना को भी विस्तार किया जा रहा है. इसके पीछे स्थानीय उत्पादों

को स्टेशनों के जरिए बाजार दिया जा सकेगा, यानी अब यात्रियों के लिए खजुराहो की सैर बहुत आसान होने वाला है. कार्यक्रम के दौरान रेल मंत्री के इस फैसले से खुश होकर रेल से सफर करने वाले यात्रियों ने कहा- रेल मंत्री ने दिल जीत लिया.

ध्यान देने योग्य है। कि सरकार देश के 75 शहरों को वंदे भारत ट्रेन से जोड़ने का प्लान बना रखी है. इसके लिए इंटीग्रल, चेन्नई में तेजी से तैयारी की जा रही है। यहां 75 और वंदे भारत ट्रेनों के कोच का प्रोडक्शन किया जा रहा है, जिसे जल्दी ही तैयार कर लिया जाएगा। इतना ही नहीं नई कोचें पुराने मॉडल की तुलना में बहुत एडवांस होंगी। इसे यात्रियों की सहूलियत के हिसाब से ज्यादा सिविधा लैस बनाया जा रहा है।

बता दे की खजुराहो और दिल्ली कि इस रूट पर अगस्त तक इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा हो जाएगा, यानी तब तक वंदे भारत ट्रेन भी चलने लगेगी. आपको बता दें वंदे भारत ट्रेन एक बेहद आरामदायक फुल एसी चेयर कार वाली ट्रेन है. इसके खास फीचर्स में यूरोपियन स्टाइल की सीटें, एग्जीक्यूटिव क्लास में रोटेटिंग सीटें, डिफ्यूज एलईडी लाइट्स, रीडिंग लाइट्स, ऑटोमेटिक एग्जिट-एंट्री दरवाजे, मिनी पैंट्री जैसी कई खासियत है। खजुराहो और दिल्ली के बीच वंदेभारत ट्रेन पर ताजा अपडेट देते हुए रेल मंत्री ने बताया।

सरकार के इशारे पर बिजली बिलों में सरचार्ज लगाने की तैयारी : रविंद्र सिंह आनंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज आम आदमी पार्टी के गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने एक बयान जारी कर ऊर्जा निगम द्वारा बिजली के बिलों में सर चार्ज के प्रस्ताव को मखोल करार दिया उन्होंने कहा कि एक और उत्तराखंड को ऊर्जा प्रदेश के नाम से जाना जाता है जबकि समय-समय पर रेट बढ़ाकर और सर चार्ज लगाकर ऊर्जा निगम द्वारा बिजली के दामों को बढ़ाया जाता है ऊर्जा निगम की इस हरकत ने ऊर्जा प्रदेश की संज्ञा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। उन्होंने कहां की औद्योगिक एवं व्यवसायिक बिजली की दरों में सर चार्ज लगाकर वृद्धि का प्रस्ताव सरासर गलत है इससे ना सिर्फ महंगाई बढ़ेगी बल्कि उद्योग धंधे वाले लोग उत्तराखंड में नया उद्योग लगाने से भी बचेंगे क्योंकि व्यवसायिक बिजली बिलों में ₹2 प्रति यूनिट सर चार्ज लगाने की तैयारी है वही ऊर्जा निगम ने घरेलू बिजली खर्च पर 200 यूनिट तक 15 पैसे और 300 यूनिट तक 30 पैसे प्रति यूनिट सरचार्ज लगाने की तैयारी की है उन्होंने सर चार्ज लगाने को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसका कड़ा विरोध किया ।

संपादकीय

कच्चे तेल की नयी अर्थनीति से उम्मीदें

एक जुलाई को केंद्र सरकार द्वारा घोषित कच्चे तेल की अर्थनीति के कुछ नये प्रावधानों का आने वाले समय में सकारात्मक प्रभाव हो सकता है. इन प्रावधानों के अंतर्गत पेट्रोल, डीजल व विमानन ईंधन के निर्यात पर कर लगाया गया था, जो पेट्रोल व विमानन ईंधन के निर्यात पर छह रुपये प्रति लीटर तथा डीजल के निर्यात पर 13 रुपये प्रति लीटर था. अप्रत्याशित लाभ कर के इन दरों में 20 जुलाई से दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गयी है. सोना आयात पर भी सीमा शुल्क 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है और सोने पर उत्पाद शुल्क की दर 15 प्रतिशत होगी. इन प्रावधानों में सबसे अच्छा आर्थिक पक्ष कच्चे तेल का उत्पादन करने वाली कंपनियों पर अतिरिक्त उत्पादन कर लगाना है. इसके अंतर्गत तेल कंपनियों को उस मुनाफे पर अतिरिक्त कर देना होगा, जो उन्होंने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के निर्यात से कमाया है. यह कर अब 23,250 रुपये से घट कर 17 हजार रुपये प्रति टन होगा. चालू वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में अनुमानित विकास दर पहली तिमाही बीतने के बाद से ही घट रहा है. तब इसे नौ प्रतिशत से अधिक सोचा गया था, पर विभिन्न एजेंसियों के आकलन के अनुसार अब यह पूर्वानुमान सात प्रतिशत के आसपास है. इसके पीछे कई आर्थिक कारण हैं. वित्तीय घाटा तेजी से बढ़ा है, जिसके मुख्य कारकों में खाद्य पदार्थों पर सब्सिडी में बढ़ोतरी, कच्चे तेल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी करने से अनुमानित वार्षिक घाटा, उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाना, उज्जवला योजना पर बढ़ा खर्च आदि हैं. उल्लेखनीय है कि बजट प्रस्तुत करने के 20 दिन बाद ही रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया, जो भारत के लिए भी एक आर्थिक समस्या बन कर सामने आया. कच्चे तेल के मूल्य में एकाएक बड़ी वृद्धि हुई. रूस और यूक्रेन से भारत को बड़े पैमाने पर उर्वरकों की आपूर्ति होती है. युद्ध के कारण इसमें कमी आयी और कृषि क्षेत्र को सहायता देने के लिए उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ानी पड़ी. एक विकट चुनौती अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुपये का लगातार कमजोर होना भी है. बीते पांच महीनों में इसमें अधिकतम 6.28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है तथा इन दिनों यह 79 रुपये से अधिक है. रुपये की गिरावट कई तरह के आर्थिक संकट पैदा करती है, जिनमें चालू वित्तीय घाटे का बढ़ना मुख्य है. यह गिरावट विदेशी निवेशकों को भी आशंकित करती है तथा इसका विपरीत प्रभाव स्टॉक मार्केट पर भी पड़ता है. रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में फरवरी से जून तक लगातार तेजी रही. अब इसमें कुछ गिरावट हो रही है. इसने भारतीय अर्थव्यवस्था व आम जन पर बहुत विकट प्रभाव डाला है. घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस के मूल्य बढ़े और इसका असर समूचे बाजार की महंगाई के रूप में सामने आया. इस कारण सरकार को पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करनी पड़ी ताकि महंगाई नियंत्रित रह सके. इसके बाद जब भारतीय रुपया गिरने लगा, तो स्थिति और खराब हो गयी क्योंकि इसी दौरान सोने के आयात में तेजी दर्ज की गयी. यह लगभग हर परिस्थिति में देखा जाता है कि रुपये के मूल्य में गिरावट व सोने के आयात में बढ़ोतरी में तारतम्य रहता है. चीन के बाद भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सोने का आयातक है.

अपनी बात रखने के लिए ये साइकोलॉजिकल ट्रिक्स, एक बार जरूर आजमाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

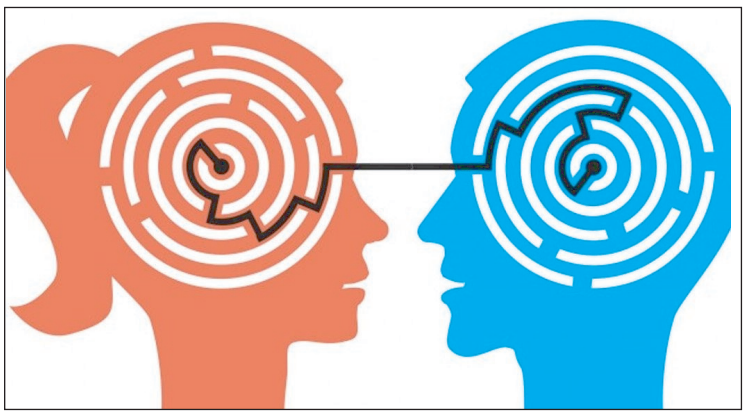

आज के दौर में जीत उसी की होती है जो अपनी बात मनवाना जानता है। उसे विजेता नहीं कहा जाता, जो अपनी बात सबसे पहले रखता है, बल्कि विजेता उसे कहा जाता है जो अपनी बात मनवाना जानता है. वहीं बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिन्हें लोगों की भीड़ में अपनी बात मनवाना नहीं आता है. अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आइए बताते हैं ऐसी साइकोलॉजिकल ट्रिक्स, जिसके दम पर आप लोगों से अपनी बात मनवाने के साथ किसी भी महफिल को अपने नाम कर सकते हैं.

इन बातों का रखें ध्यान

1. ऐसे शब्द का करें इस्तेमाल- अगर आपको किसी से अपनी बात मनवानी है तो अपनी बातचीत के बीच में एक मैजिकल शब्द का इस्तेमाल करें. ये शब्द है 'Because' जिसका इस्तेमाल करने से सामने वाला अक्सर आपकी बात काटने के बजाए मान जाता है. बताते चलें कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की मनोविज्ञान की प्रोफेसर Ellen Langer ने अपने एक शोध में बताया था कि जब भी आप किसी बातचीत के दौरान 'Because' शब्द का प्रयोग करते हैं तो ज्यादातर समय ऐसा होता है कि सामने वाला व्यक्ति आपकी बात मान जाता है यानी आप जीत जाते हैं.

2.अलग हटकर साइड में बैठें - अगर आप किसी डिबेट या चर्चा के लिए बैठे हैं तो कोशिश करें कि जो भी शख्स आपके विचारों से सहमत नहीं होता है और बात-बात पर आपकी या किसी की भी आलोचना करता है तो आप उसके ठीक सामने न बैठकर कुछ अलग हटकर साइड में बैठें. क्योंकि जब आप दोनों के शरीर की दिशा समान होती है यानी आप जब अपने धुर विरोधी या आलोचक के पास एक दो लोगों को छोड़कर बगल में बैठे होते हैं तब आपका विरोधी या आलोचक अपनी बात को रखने या आपकी बात काटने में खुद को असहज महसूस करता है. ऐसा करने से आपका प्रतिद्वंदी आपकी बात नहीं काट पाएगा और आप उसका फायदा उठाते हुए अपनी बात दमदार तरीके से रख सकेंगे.

3. किसी की बात न दोहराई - किसी भी चर्चा या फिर ग्रुप डिस्कशन में आप सामने वाले के किसी भी एक्शन को फौरन कॉपी न करें. बल्कि कोशिश ये रहे कि संवाद के दौरान उसकी जैसी शैली एक बार भी न अपनाई जाए. यानी प्रतिद्वंदियों की मनोदशा को समझने के बाद ही अपनी बात की शुरुआत करें. अपने हाव-भाव सही रखने के साथ दूसरे की कमजोरी समझते हुए अपनी बात रखेंगे तो उसे काटना सामने वाले के लिए मुश्किल होगा और आपकी जीत के चांस बढ़ जाएंगे.

4. सबसे पहले या सबसे पहले जाए - अगर आप चाहते हैं कि किसी डिबेट या ग्रुप डिस्कशन में लोग आपकी बात को बड़े ध्यान से सुने और उससे प्रभावित भी हो जाएं तो आपको ये कोशिश करनी चाहिए कि या तो आप बात की शुरुआत करें या किसी भी चर्चा के समय अपनी बात को सबसे आखिरी में कहें. दरअसल मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि हमारे दिमाग में किसी भी इवेंट की शुरुआत और अंत हमारे दिमाग में ज्यादा देर तक रहता है. ऐसे में अगर आप किसी इंटरव्यू में बैठे हैं तो कोशिश करें या तो आप सबसे पहले इंटरव्यू देने जाएं या सबसे बाद में.

अंतरिक्ष में सुसु और पॉटी के लिए अब बांधना होगा हाँथ पैर - ये है ख़ास टॉयलेट

- बीते दिनों ISRO ने गगनयान का एक मॉडल लोगों को प्रदर्शित किया जिसमें एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में जाने वाले हैं। इस यान में लगे टॉयलेट का इस्तेमाल अंतरिक्ष यात्री कैसे करेगें, चलिए आपको बताते हैं।
- गगनयान : अंतरिक्ष में इस टॉयलेट में सुसु और पॉटी की जटिल है प्रक्रिया

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

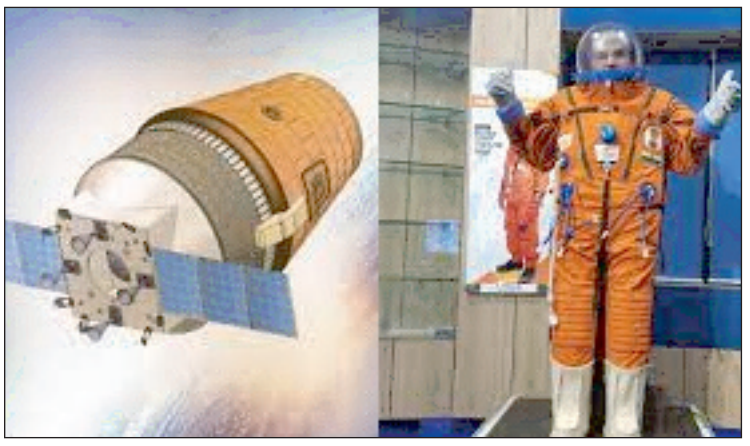

वैज्ञानिक ने इस नए गगनयान का मॉडल लोगों के सामने प्रदर्शित करते हुए बताया कि यह आकार में असली गगनयान के बराबर है। वहीं इस गगनयान की यात्रा करने वाले तीन भारतीय वायुसैनिकों की एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग बेंगलुरु के ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर में चल रही है। अब गगनयान जब तीन दिन तक अंतरिक्ष में रहेगा तो एस्ट्रोनॉट्स यानी हमारे गगननॉट्स खाएंगे, पीएंगे, सोएंगे और टॉयलेट भी जाएंगे। इसके लिए गगनयान में सारी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।जी हां, गगनयान में टॉयलेट की भी व्यवस्था की गई है। गगनयान में बनाया गया टॉयलेट भी नासा के स्पेस स्टेशन में मौजूद टॉयलेट से कम भी नहीं है। ISRO ने अपने इस टॉयलेट को वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम नाम दिया है। इस टॉयलेट में गगननॉट्स बिना किसी दिक्कत के सुसु-पॉटी कर पाएंगे। अब आप सोच रहे होंगे आखिर गगनयान का यह टॉयलेट आम टॉयलेटों से अलग क्यों है? तो आपको बता दें स्पेस में सुसु और पॉटी करना आसान काम नहीं है। जैसा कि ये सभी जानते हैं की स्पेस में ग्रेविटी न होने के कारण सभी चीजें तैरने लगती हैं। ठीक वैसे हीं शरीर से निकलने वाला मल भी तैरने लगता है। साथ ही अगर आपके शरीर से फोर्स के साथ मल निकलता है तो आपकी बॉडी भी

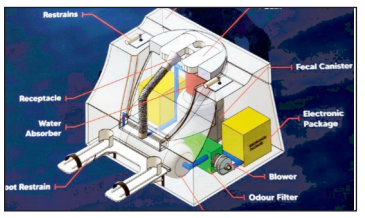

वैक्यूम में ऊपर की ओर उड़ सकती है। इसलिए इस टॉयलेट में सीट के अगल-बगल रीस्ट्रेन्स लगे हैं। इसे गगननॉट्स अपनी जाघों में फंसाकर रखते हैं या फि इसे पकड़कर रखते हैं।इसके साथ ही पैरों को फंसाने के लिए बी नीचे की तरफ फुट रीस्ट्रेन लगाया गया है जिसमें पैर फंसाकर बैठा जा सके। इस टॉयलेट में एक सक्शन ट्यूब लगा हुआ है जिसके ऊपर एक कोन लगा है, ये पेशाब करने के लिए बनाई गई है। तस्वीर में आप देख सकते हैं, इसके ठीक पीछे एक सफेद रंग की सीट बनी है जिसमें एक छेद बना हुआ है, इसका इस्तेमाल पॉटी के लिए किया जाएगा। ये तो बात हो गई की इसका इस्तेमाल कैसे किया जाएगा। अब आपको बताते हैं कि यूरीन और मल कहां जाएगा? तो आपको बता दें, गगनयान के टॉयलेट में पेशाब के लिए 10 लीटर और मल के लिए 15 लीटर की टंकी लगी होगी, जिसमें पेशाब और मल स्टोर होगा।

एक्शन में प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ आर. राजेश कुमार, छापेमारी से अस्पताल में मचा हड़कंप

आईएएस डॉ राजेश कुमार अपने पुराने तेवर में नजर आए , औचक निरीक्षण शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और देहरादून के पूर्व जिलाधिकारी रहे डॉ आर राजेश कुमार ने बीते दिनों उत्तराखंड में प्रभारी सचिव स्वास्थ्य के साथ-साथ एनएचएम के मिशन निदेशक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली है। कुर्सी पर बैठते ही डॉ राजेश कुमार ने विभाग के कामकाज को चुस्त-दुरुस्त करने का पहले दिन से ही बीड़ा उठा लिया।

पहले अधिकारियों और कर्मचारियों से योजनाओं और फाइलों की रफ्तार पर फीडबैक लिया , इसके बाद राजधानी के मीडिया कर्मियों से हेल्थ सेक्टर से जुड़े इनपुट्स और सुझाव लिए और अस्पतालों में हो रही असुविधाओं को जल्द दूर करने का भरोसा भी दिया।

इसी अंदाज़ को आगे बढ़ाते हुए एक बाद फिर प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ राजेश कुमार अपने पुराने तेवर में नजर आए और अचानक पहुंच गए प्रेम नगर के चिकित्सालय में , जहां उन्होंने मरीजों से बात की , स्वास्थ्य सेवाओं और दवाइयों के साथ-साथ जांच में दी जा रही सुविधाओं का रियलिटी चेक किया , इसके बाद प्रभारी सचिव स्वास्थ्य ने मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों और अधिकारियों से दवाओं , जांच और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़े लाभ के बारे में मरीजों और तीमारदारों को बगैर किसी सुविधा के मुहैया कराने के निर्देश दिए।

आपको बता दें कि उत्तराखंड के आईएएस अधिकारियों में डॉ आर राजेश कुमार अपनी इसी वर्किंग स्टाइल के लिए लोकप्रिय माने जाते हैं। देखा भी जाता है क़ी राज्य सरकार ने उन्हें जब जो भी ज़िम्मेदारी दी है डॉ आर. राजेश कुमार कुर्सी संभालते ही फील्ड में उतर जाते हैं। अचानक विभागों के निरीक्षण पर निकल पड़ते हैं और हालात को समझते हुए मातहत कर्मियों और अधिकारियों को राज्य सरकार की पारदर्शिता और विकल्प रहित संकल्प का पाठ की पढ़ा देते हैं। देखना होगा कि प्रभारी सचिव स्वास्थ्य के बेहद जिम्मेदारी भरे विभाग को अनुभवी डॉ राजेश कुमार किस तरह से सक्रिय और प्रभावी बनाने में जुटेंगे ?

उम्मीद की जानी चाहिए कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मिशन और आम जनता से सीधे जुड़े स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं , सुविधाओं और जरूरतों को हर बार की तरह डॉ आर. राजेश कुमार अपनी काबिलियत और नेतृत्व क्षमता से बेहतरीन मुकाम तक ले जा सकेंगे।

सड़कों को सुविधाजनक बनाये, आरटीओ, पुलिस एवं लोनिवि को डीएम सोनिका के निर्देश

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। उपजिलाधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि आरटीओ, पुलिस एवं लोनिवि विभाग की टीम गठित कर, सड़कों पर गड्ढे, अतिक्रमण, अवैध होर्डिंग, सड़को पर पड़ी सामग्री आदि का निरीक्षण कर निस्तारण करते हुए सड़क को सुविधाजनक बनाया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में चिह्नित अवशेष ब्लैक स्पॉट पर तत्काल सुधारात्मक कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी लेते हुआ कहा कि किस समय और स्थान अधिक दुर्घटनाएं घटित हो रही है की समीक्षा करें। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के कारणों पर

अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की जिन में मुख्यतः कारण ओवर स्पीड, गलत ओवरटेक, विपरीत दिशा में वाहन चलाना मुख्य कारण है इसके अतिरिक्त लाइट खराब होना, सड़क के गड्ढे, अनाधिकृत होर्डिंग भी दुर्घटनाओं के कारण बन रहे है। जिलाधिकारी ने लोनिवि एवं एनएचआई के अधिकारियों को सड़कों के गड्ढे भरने तथा नगर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक यातायात को संबंधित विभागों के अधिकारियों की टीम बनाते हुए अनाधिकृत होर्डिंग हटाने के निर्देश दिए। साथ ही रफ ड्राईविंग के विरूद्ध विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी को इंटरसैप्टर लगाते हुए ओवर स्पीड रफ ड्राईव करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक को जनपद में क्षेत्रवार संयुक्त टीम बनाते हुए अतिक्रमण, अवैध होल्डिंग पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर हम्बल स्ट्रीट लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक यातायात को सूची प्रेषित करने को कहा साथ ही लोनिवि को हम्बल स्ट्रीट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एमबुलेंस में जीपीएस लगाने के निर्देश दिए।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा